

2840

ASNA ARCHIVES

मङ्गलिनन्दनं दाथं धनीयाः कमलकलिकाः अद्वयवालि
 रुद्रमलकगिकुधनत्रिगुणाः वामखर्दी गकयात्रधना
 नाश्रुमाश्रीमन्त्रनाया वाचुलिगुम्फरुगात्रिभामात्रपि
 लेः वायवित्रः मायासासुवदुम्फडासिद्धि त्रिभामा १ ॥
 पाशवुम्फमृद्वामरुधधनियोः उनत्रमितमात्रा २

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

नीलद्वित्रिभल्लदिगकन कारुवचडमूरवः अगि विक
 नावज्जधना ॥ २ ॥ अलिंधपुयात्रेवचापयियात्रः का
 मिनात्रिविबुम्फडा ॥ २ विश्वकुलिग अद्वयवदुम्फडा युक्त
 वायुवर्माषठमूडा ॥ ३ ॥ च्छुक्तिरीवित्रवीत्र धनत्रभयक
 त्रिनिवकुमहा वित्रवात्रा १ कनूतगं गभत्रः विल्वविल्व
 धनत्रुंजयिसयात्रसीसात्र अधाना ४ ॥ ४ ॥ नमो नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

४॥ विषय विषय विनूयव नसंयालः कृत वि।
चद्रा मिना रि कमल २ द ह यि जि न वृ ग मि स न यि स न ग
ज नि नि ज्ञा हा सम यः स्मा स स य न ॥ ५ ॥ न म म रू द्या
खं काल च कः रु व ज स व न वि श्व नू यं २ व यि य इ म सै या ख्य
सै ह व नि श्व ना स स जः आ नं द म यः स्ना न नू यं ॥ १ ॥ व ज य र्य
क श न कू कू मा नू ल ग नू ना म स गी नि ७ काल ध्यान २ ज ग

विषय विषय विनूयव नसंयालः कृत वि।
चद्रा मिना रि कमल २ द ह यि जि न वृ ग मि स न यि स न ग
ज नि नि ज्ञा हा सम यः स्मा स स य न ॥ ५ ॥ न म म रू द्या
खं काल च कः रु व ज स व न वि श्व नू यं २ व यि य इ म सै या ख्य
सै ह व नि श्व ना स स जः आ नं द म यः स्ना न नू यं ॥ १ ॥ व ज य र्य
क श न कू कू मा नू ल ग नू ना म स गी नि ७ काल ध्यान २ ज ग

॥ अदिनिर्दसगुनवोमानुग्राहः कादिगललक ॥
उजममननरयवंधनकादिगनरयमानुगुनियसंदावे ॥

॥ वागमयिग ॥ अनूकनगथागनः वंकागलावतनययविनिग
विचिंतकलसं ॥ ॐ ॥ कावकागममदकः सयसंसाधिगनाम
गयं ॥ ॥ चदामुष्टनसवाधिदमदायकंसमडिनयायिगसुरुसकन
सं ॥ उगगसकुलविगमुनकननाः वरुमममनाडनविनसुयं ॥

वजयममानुमयः गन्धाम्भस्यकाभंखलविनयययियसयनकाजमंनु
यन्धमत्रावयवजसंखयिगविचकलसं ॥ ॥ दमसकुनमययय
लवंगुरुकुमडाकिनिजमययं ॥ साठिगिसंधाजनदवगाव ॥ कानस
लमानिजकिमसं ॥ ॥ यायाकिआचमनंदानययसहनंसमय
वकुंयहागिगविमलकलसं ॥ मलनागदवायुयवाधिविकनयसमय
लंरुनयउपकीरुगं ॥ ॥ ॐ ॥ वागमय ॥ नकवर्षविनि

लायनधूदनि अरुंगद मनु कयुद नकि नरु ॥

॥ गुडा नवी नरु ॥

निमहा मास कि दवी रुड गगय मादि नमय नरु सु ना ह ॥

॥ आ गम ॥

यादय नान वरान नरु कग गध म दि का गु नू डय द ह ॥

॥ या रे व ॥

ई ख न नू य ऊ गु म न स्या न क गि नी मा मय द नू न दं गु द नू र्वा ॥

॥

रुग गु नू व न न मि ल ग न ध मि या न ह न यी वा क व ड म नू यी ॥

॥

॥ ॐ ॥ **॥ रा ग र्जु म ह न वी ॥** नम हं ऊ का नू स नू य ध नू र ख रु वि स न

॥ ग ना हूं हूं ग ना हूं हूं ग ना ग ग हूं हूं हूं ॥

॥ रु डा ॥

उ ना य नू ॥

अ त्रि ग न क ग ध नू र व ड य नू म डा य नू ॥

॥ ध व न स रं व न द ह यः ॥

नू र स रं द स ख हिय व ड म नू ॥

॥ मा या द हू नी न डं गु र ह्य हिय क ॥

नू स स ख म हूं ॥

॥ **॥ रा ग र्जु म ह न वी ॥** वि व क न वि ॥

ह सि म नू मा मय धि मि आ न क म नू मि य नू र व ड वा ना दि आ त्रि ग न स ॥

॥ ग ना हूं हूं ग ना हूं हूं ग ना ग ग हूं ॥

य ना नाना त्र सि म हू द नू ॥

ॐ ॥ ॥ निजयः प्रियमुयकायगिम्स्वपिन्तुः यत्रमाञ्जु नन्दमः

प्रतिधना विख्यवः सुखचन्द्रकणमकटधनीः हादग्रहमनसः

॥ वडयश्च गङ्गा चर्मिलमन्त्रव्याहः विनमाज्ञानंदमन्त्रनिधना ॥

कनटिकयानयनशुभाशलिङ्गप्रवृत्तमित्रयज्ञाः व्याघ्रवर्मकन्धिर्यधि

मा॥ ॥ दिगविदिगंकाकास्यादिऊमणकिनीरुवीः सहजानंयम

नूनिधनान्नमागिद्वीयकसंवत्सः सप्तगुरुवलनार्जो ज्योतीषः

॥ अमजद्विहृदजाजनः कियसी तस्य नः शत्रुनिव

वात्रिलेहसा गुरुज्जावात्रतः मन्त्रि यामसातः सकृदहमा दिगं

॥ त्रैलोक्यमात्रं सत्यं नाना ॥ सकलं कलादिगं मया ॥

बोहिनीः वज्रया नाहिः रुद्रामदियायमात्रेण ॥

यनः लभस्व रुतयनः कर्तुं नरुव सिगला न इमाय न नि क

दाः सन्मलुनरु निना ॥

॥ यथैव स्वर्गः कादिहानः सुखम् ॥

ॐ
ॐ
ॐ

ययिसुयिञ्ज न्वरका जा रहसदिनादि निःवकजामादिः नृणां विदुः
स्वप्नमिञ्जना ॥ गगर्जनाजिह्वावकः ॥ निर्यात्तजकदाः सुगह
नृपजनञ्जनाय नृसमयाञ्जनं दः ॥ विम्वजाम ॥ लाः स्वप्नजवकवाना
दि ॥ ॥ **॥ वागजाम ॥** ॥ विदुनायाययिडा गीनीदहवा
वाजिदकमजकालि सुद्रनकहं वियात्र ॥ ॥ जागिनिगुका विदुः
स्वप्नदुनडि वयि **॥ गगनासहवृष्टियात्र ॥** क मज संविदयि ॥ ॥

ॐ
ॐ
ॐ

यहं क गीनीत्रयनजा यि **॥ मनिदू** लवहियात्रः डागियानसमान ॥
॥ सासुहयलेयालेकं वियवाजा स्ववसुका दयि वत्ररजादा ॥
रनयीग्वदाजिह्मकं द्रु विगात्रनयना जिमासउरयड वियात्र ॥
॥ **॥ वागजाम ॥** ॥ विविदु विदुनलमात्र विम्वि
वदन **॥ दवञ्जु** रगलुवनदुगु क नृ ॥ ॥ नावयिजनमा मि
धीसुवत्र विगात्रवक क गीनीत्र निजमात्रसहस्र गगना ॥ ॥

[illegible]

यि गालवत्र नक्षत्रं च वडडा गिनी मंगत्र गिने ॥ ॥ ययिस् यिः
 दविनिः अदयत्तिले १ किदं गिकमलकू लिहवा डंग ॥
 यस्मलिद्यालिः यो त्रिवगात्रि १ लयनवडसमद वडावाना ॥
 ॐ ॥ १ ॥ अग गवदया ॥ चकि कलुत्रक श्रिनायकः मरुवत्रु स्वि
 तः गीयात्रुदत्रनत्र सिनमागा १ मित्रवकिच कित्रेयाः रुसविनु स्वि
 तः गगनकता दिव्यं त्रिमाया ॥ ॥ यनुसहिद नूडानमा वरु

ग्रायाहलं नाथजीसमग्रमाया ॥ ॥ वडकवागवकहाथधमि
 याः कथं क्रियाउच्यताम् **१** संप्रगजागिनीः कमन विहासिगममहा
 सुखममीनयसाद ॥ ॥ वडवागदिआमिगनसंवमाः नाययि
 वडविह्वरहंग **१** वाहुमिकोत्रेयियाकीर्तमिह्वरः अर्द्धयुव
 लनयसाद ॥ ॥ सदउसंष्टिरेत्रयियागमवीकिकर्षयात्रः श्री
 हव्वयवनयसाद **१** यक्षआमिगनः किंमिह्वरविजारायी

(गोमहव्यु) ॥

सुन्यकन ॥ ॥ **१** **॥ गानवदगु ॥** वामखयनयन
 ददिनकत्रमि **१** यायनअउमलडमात्रयुविगा ॥ ॥ दविना
 वयिप्रकडठिः वडमजागिनी **१** विनिमयदवीः विह्वनययिस
 ॥ ॥ काहमहदयिः यागमवद्विग **१** गानइखमाहकमगिन
 कदिगा ॥ ॥ धूर्वसूक्तमानिः निगजनयवी **१** मुन्ययावदवी
 सुन्यगुलावा ॥ ॥ वृहिसंहानमायाः कन **१** वी **१** माहमा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ ॐ ॥
 स्वस्त्यस्तु ॥ जगत्संसारं यन्मा भिज्जय वाह ॥ त्रि ॥
 ॥ जगत्संसारं यन्मा भिज्जय वाह ॥ त्रि ॥
 ॥ नाययिवज्जसत्त्वयन्मत्तलिनवति ॥ ॥ तस्मिन् ॥
 हस्तकिन्ननदधस्तुत्तसंसारयवति ॥ ॥ वरु विद्वन्मयसद्वत् ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ जगत् ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ जगत् ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ जगत् ॥

नमामि ॥ दिनधर्मधनुर्गुरु ॥ विष्णुवन्दनमस्तु ॥
 धनुर्गुरुगिरिव ॥ ॥ नमामि ॥ दिनधर्मधनुर्गुरु ॥ विष्णुवन्दनमस्तु ॥
 विष्णुवन्दनमस्तु ॥ ॥ धर्मधनुर्गुरुगिरिव ॥
 नित्यनमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ ॥ धर्मधनुर्गुरुगिरिव ॥
 नमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ ॥ धर्मधनुर्गुरुगिरिव ॥
 नमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ ॥ धर्मधनुर्गुरुगिरिव ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वेदिआनि॥

नदिगदवी **१** दाकिनिदिपिनीयड सिर्वं वाङ्मनी ॥

शुभमत्रदिर्मलुवरुजनगुदवी **१** गिनिनययिद्वज्जायाजा ॥

दत्रिद्वज्जाया **१** शुभमत्रग **१** धादभजागिनीसमजंसंलया ॥

॥ **ॐ** ॥ **नागवर्षक** ॥ मधुत्रियनियनाद्वयनिक **१** सुकद

यः वंदितयादं ॥ ॥ मेगीआदिवड्डीमरुक्रमाना **१** सुभमत्रिर्वे

नियमनिलयस्रजा ॥ ॥ कंकमनूयिनाहुत्रदिनविश्वमा **१** ॥

सर्वत्रिय ॥ १ ॥

समष्टुनूयत्रस्माविन्दुआत्राध **१** गभडाकिमडागीमयुवक **१** ॥
गहिरत्रकनूयविहाना ॥ ॥ विश्वयविश्वययाजगमनसा **१** ॥

स्वयियायिमशीयंगुनूखयंगु ॥ **ॐ** ॥ **नागवर्षक** ॥

नमामि **१** डिनयानुकजंदकचनुमनूयिआत्रिगिगा **१** यंचरान

यंचयानुखनूयाः यद्वधर्म आत्रयस्वरा ॥ ॥ गनाहं हं गनाहं

हं ॥ १ ॥ गगनसीसात्रडधनीयामनारुजः नमस्तु नमस्तु यंचडिन्यास्रजा ॥

॥ नमामि **१** श्रीमामियत्रस्वत्राधिसिद्धिवनदायनि **१** ॥ १ ॥

नमामि डिनयानुक ॥ १ ॥

विश्वनाथः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ मा गिया विद्यु मा गिया कय मा गिया इह विना सन १ मा गिया साः
 त्रामा न सं वा सा भ नू व य स इ ह व ना सं न ॥ ॥ य न गु वा ना क भ व ड
 स्व भ रि लि ग या न द दिन क न १ म स न ध न ह ला ह स्व र्य न क न नि क
 वा स्य ॥ ॥ वि वि ग व स क नू क रि य सा ड ड ह क म नि म दी ना १
 न म्वा ड न ग न धि ग न म्वा ड न स र्वाः या य न मि त्रि मि त्रि वा ड न ॥
 ॥ ग ल्ना ग न धि ग न त्वा क रि ना म र्दिव क म् स्व न् वि भुं द ना १ दि ना

॥ दिन उ न ग न य नि ॥

द ल्वा ग म् स र्वा द ना न म्वा सु १ ग ल्ना धि य नी ॥ ॥ १ ॥ १ ॥
 ग न्ना म क मि ॥ दिन न ग न य निः सु व न शी का या ग कः नि वा स न स रि
 दिन म् नि ना १ न या न म् ल म्वा म्वा मि ह म कि व न ड ग न ना थ न् र य द
 ना ॥ ॥ शि डा ग मि ग रि या न नू व ना न या न द वः पु न मा मि वू ग
 म न लो क म् न द व १ सि ध ह गि व धू द ग य मि क म् न य सु व य मि वू द
 म नि न न द द वा ॥ ॥ ना शि क म न का सि न वा धि या नः वा म क न

यत्र हा **॥** गुणसमर्पणं नागकस्तकः कात्रिदद्वयहयद्वयना ॥

॥ हूं हूं हं गवनि काया हं गवनिः नमामि श्रीवृगमल नाकस्थ

नकवा **॥** नमामि **॥** श्रीनर्तकदं वः स्वस्तिमस्तु यागनदव ॥ ॥ दहा

शुमिद्या विष्णुनक्रनना जाजून गगनननिनधना **॥** श्रीगुमिगार

वसिष्ठगगधनीयाः श्रीलाय स्वस्तिनागनि ॥ ॥ **॥** ॥ **॥**

॥ गवनादि ॥ हागगगहाथनागमगुलनाजाकाटिरुस्थनागदं **॥**

(श्रीगहना ॥ ३३)

ददकाटिरुस्थनागः आगिनीवृंदयात्रः वास्तुविगद्वयदहा ॥

उं कालमगुलनाः स्त्रिनात्र आगिनिवृंदयात्र **॥** वज्रधनस्त्रि

॥ श्रीगहना **॥** वास्तुसकत्रसमाधि ॥ ॥ पूर्ववक्तुविज्ञियात्रद्वि

नत्रलेविदुलियात्र **॥** यद्विमयमः युकासत्रद्वयत्रवेगीयत्रियात्र ॥

॥ संप्रगद्वगहनाकाः निसिखयंकात्रिया **॥** कायवाकविर्हमगुलना

ऊः दलियात्रगगलकद्वय ॥ ॥ नूयसत्रयगंधर्वनस्ययनः ॥ गमी

[illegible][illegible]

॥ नमो ॥

नथनयूयवन्धगगयवसिनी॥

देना नसकने त्रिद्वि सिद्धि दहि ममागा ॥

॥ उग्रं गारुज नक्षी त्रिगन नूखल २०० ॥

॥ उगमनूयं यथा गुणदयी २३

॥ गकनयनविनिग्रहमात्रादयः ॥

॥ व्याख्यारम्भस्तु प्रत्यात्रिदा १ इदं

॥ ॐ ॥ राग रस ॥ विदुः कसल वनक

मिना ~~र~~ष्टी विग्रया क्रुण्णै चै मूहद वीम

॥ नमोऽस्मिन्नेगमाः प्रियु वनमा वः वः

श्रुताः स्रजवदितचजनः अननगनिद्विदिशि

॥ नंदनयः प्रमिः वर्यं दनगयवः जूनगयवः मयावः

जागयन नृसुगंमः असमवासासा ॥ १ ॥ अनेगानिधरु कवेचन
 ॥ ॥ अरु रेत्रवः अरु हागिनीकवीः अनेगदवाधरु अरुयया ॥
 अरुसहायः इजिमनिवात्रनिः अनेगविधुनिवात्रनिः ॥
 विरविवायिगः गात्रुनिदवी अरुयनित्रंज नहमिसयं ॥ अरुहस्य
 कसुखरु सः कायनिद्विः इजमकुजसुखं सुपायसगगनि ॥
 ॥ ॥ अरुगोत्रवी ॥ अरुसुगयामदिमं दिगयुवनेः धमित्रसाज

गोत्राग ॥ गगनसिधनः गगनसुगंमः गगनसुगंमः गगनसुगंमः
 यन्त्रियात्र ॥ ॥ हं हं नमः मिययं अकिनीययं इगमिः कामकादि
 नीहात्रनः इगइयगं ॥ ॥ यत्र उरुत्रयदिमदक्रिनयगुयुवनः
 यियनमात्रविधुइदिवात्र ॥ काकिनीदियिनीचउसिकंवाइनीः या
 नमवडसंगवैसदने ॥ ॥ सिधिनियायिनिडसूकडलाकिनी
 यत्रागयनम अरुगारुह ॥ वडजकिनीययमात्रकाकिनीयड

किंगवः रय मा नू अनियसीदा व॥ ॐ ॥ **नागनाम** ॥ नकवर्क
ठिनिसायनः सुन्द लिश्वर्यौद गहजः पुह्नल किनला ॥ ५२ ॥ नूक
यवीवानूनिः माम किदवीशजगनयमादिनः मयन सुनीला
॥ ५३ ॥ आगमवेदयूनालः वषाह रया गधमीदिक्का गुनूउय द
हा ॥ ५४ ॥ यकवृद्धस्वनूयः कअतुझ २ सयात्रयागिनीसा म ह
नूवंतु हनूडा ॥ ५५ ॥ सन गुनूवनला जि न्य गगधत्रिया २ हनयि

वाकवडाः सुनूमात्रयि ॥ ५६ ॥ **नागनाम** ॥ नमः १ हूं अकात्रनूय
धनूश्वरु विसलेउसा धनू ॥ ५७ ॥ नना हूं हूं २ नना नग हूं हूं हूं ॥
॥ ५८ ॥ दाबा लिंग नः यागधनूश्वरुजय नू मडाधनू ॥ १ ॥ धव
नसूनीखूनदहधनूश्वरुदहसू अहिय चतु मनू ॥ २ ॥ माया
दहनीलजंगु रसा हियकनून सलम हूं ॥ ३ ॥ **नागनाम**
॥ ५९ ॥ निचकुत्र विनामिलुलमायः सि निअनदुसू निधनार
वजवावनाहिआ लिंगलसम्बनाः नानानसिमहाः हना ॥ ५९ ॥

